100 Years 1920-2020
University of Lucknow | Centenary Year
लखनऊ विश्वविद्यालय | शताब्दी वर्ष

University in News on 20 November 2021

i-NEXT PAGE 2 & 4

यूनिवर्सिटी की गर्ल्स का रूहानी रॉक बैंड

लखनऊ यूनिवर्सिटी के 101वें स्थापना दिवस पर किया जाएगा लांच

LUCKNOW (19 Nov): लखनऊ यूनिवर्सिटी की 10 छात्राओं ने मिलकर रूहानी नाम से रॉक बैंड बनाया है. पहली बार यूनिवर्सिटी में लड़कियों ने अपना रॉक बैंड बनाया है. यूनिवर्सिटी के सांस्कृतिकी निदेशक प्रो. राकेश चंद्रा ने बताया कि 25 नवंबर को होने वाले यूनिवर्सिटी के 101वें स्थापना दिवस पर लांच किया जाएगा. इस ग्रुप में कुछ गायक हैं तो कुछ इंस्ट्रूमेंट में पारंगत हैं.

आज जारी होगी मेडल सूची

दीक्षांत में मुख्य मंच पर जो 15 मेडल दिए जाने हैं, उनमें चांसलर, चक्रवर्ती और वीसी मेडल की घोषणा हो चुकी है. अन्य 12 की सूची शनिवार को जारी की जाएगी. वहीं 180 मेडल विभागवार बाद में दिए जाएंगे. एलयू के दीक्षांत समारोह की इस बार लाइव स्ट्रीमिंग की जाएगी. सीमित संख्या में ही लोगों को आयोजन में बुलाया जाएगा.

जहां मानक पूरे, वहीं होगा सेंटर

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने फरवरी में होने वाले सेमेस्टर एग्जाम की तैयारियां शुरू की

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (19 Nov): लखनऊ यूनिवर्सिटी ने सेशन 2021-22 के पहले सेमेस्टर एग्जाम की तैयारी शुरू कर दी है. फरवरी में यूजी और पीजी के फर्स्ट सेमेस्टर एग्जाम कराने की तैयारी है. इस बार एलयू के लिए एग्जाम कराना चुनौतीपूर्ण होगा क्योंकि करीब 5 लाख स्टूडेंट्स एग्जाम में शामिल होंगे.

जांच के लिए कमेटियां बनीं

फरवरी में होने वाले इन एग्जाम के लिए एलयू ने अपने से जुड़े चार नए जिलों के लिए एक-एक कमेटी का गठन किया है. हर कमेटी में पांच सदस्य हैं. ये कमेटियां एग्जाम सेंटर के लिए प्रदेश सरकार ने जो मानक तय किए हैं, उनकी जांच करेंगी और इसकी रिपोर्ट एलयू को सौंपेंगी. इस रिपोर्ट के आधार पर ही सेंटर बनाए जाएंगे. सेंटर बनाए जाने में उन कॉलेजों को प्राथमिकता दी जाएगी, जो पहले कानपुर यूनिवर्सिटी की ओर से सेंटर बनाए जाते रहे हैं. रिपोर्ट में सभी संसाधनों का जिक्र होगा.

CONCEPT PIC

500 के करीब कॉलेज जुड़े हैं एलयू से

05 लाख के करीब स्टूडेंट्स यूनिवर्सिटी में

174 कॉलेज पहले जुड़े थे एलयू से

ये जिले जुड़े हैं एलयू से

- लखनऊ
- लखिमपुर खिरी
- सीतापुर
- रायबरेली
- हरदोई

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने हर जिले के लिए बनाई कमेटी

"चारों जिलों में सेंटर बनाने के लिए डीन सीडीसी ने कमेटियों का गठन किया है. उनकी रिपोर्ट के आधार पर फरवरी व जून के सेमेस्टर एग्जाम कराने की तैयारी शुरू होगी.

प्रो. एएम सक्सेना, एग्जाम कंट्रोलर, लखनऊ यूनिवर्सिटी

डॉक्यूमेंट वेरीफिकेशन आज

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने पीजी के साथ-साथ नई शिक्षा नीति के अंतर्गत बीएससी मैथ्स, बायो में एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स के वेरीफिकेशन का आखिरी मौका 20 नवंबर तय किया है. इसका नोटिफिकेशन यूनिवर्सिटी के एडमिशन कोऑर्डिनेटर प्रो. पंकज माथुर ने वेबसाइट पर जारी किया है. बीएससी फर्स्ट सेमेस्टर में एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स को अलाटमेंट पत्र, फीस रसीद व अपने मूल प्रमाण पत्रों के साथ ओल्ड कैंपस में डीन फैकल्टी आफ साइंस के कार्यालय में प्रमाण पत्रों की जांच 20 तक कराना होगा.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

स्थापना दिवस पर लविवि लॉन्च करेगा पहला महिला बैंड रूहानी

माई सिटी रिपोर्टर

10 छात्राओं की टीम लैंगिक समानता के प्रति करेगी जागरूक

गिटार, तबला, ड्रम, मैंडोलिन सबकी कमान छात्राओं के हाथ

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय अपने 101वें स्थापना दिवस समारोह में 25 नवंबर को नई पहल करने जा रहा है। विवि इस अवसर पर अपना पहला महिला रॉक बैंड 'रूहानी' लॉन्च करने जा रहा है, जिसमें सिर्फ छात्राएं ही हैं। इस बैंड के माध्यम से लैंगिक समानता के प्रति जागरूकता लाने का काम किया जाएगा। अभी विवि के लड़कों का अपना बैंड है।

विवि के जेंडर सेंसटाइजेशन सेल के तहत शुरू किए गए इस बैंड में 10 छात्राएं हैं। खास ये कि इसमें गिटार से लेकर तबला, ड्रम व मैंडोलिन तक की कमान छात्राओं के ही हाथ में रहेगी। बैंड ने शुक्रवार को अदम्य नाट्य संस्था और लखनऊ विश्वविद्यालय सांस्कृतिकी के सहयोग से विवि परिसर में लैंगिक समानता और लैंगिक तटस्था के प्रति युवाओं को जागरूक किया।

वहीं अदम्य नाट्य संस्था ने नुक्कड़ और गुफ्तगू के माध्यम से एक परिवर्तन लाने का प्रयास किया। इसके सदस्यों ने शादी, लिंग भेद, माहवारी, महिलाओं से जुड़े कानून जैसे मुद्दों पर अपनी बात रखी। इसमें गीत-संगीत की प्रस्तुति भी दी गई। रूहानी व जेंडर सेंसटाइजेशन सेल की संयोजिका डॉ. रोली मिश्र ने बताया कि 25 नवंबर को विवि के स्थापना दिवस पर बैंड को लॉन्च किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आम तौर पर एक धारणा है कि ड्रम और मैंडोलिन जैसे वाद्ययंत्र पुरुष ही बजाते हैं। हमारी छात्राओं ने इस मिथक को तोड़ा है। इसमें कला, विज्ञान व वाणिज्य संकाय की छात्राएं शामिल हैं। हम इन छात्राओं को बेहतर अवसर देने का प्रयास कर रहे हैं।

लविवि की छात्राओं का बैंड रुहानी। - संवाद

श्रीलंकाई छात्र की प्रस्तुति भी होगी खास

महिला बैंड के साथ-साथ इस बार के स्थापना दिवस के आकर्षण का केंद्र श्रीलंका निवासी विवि के छात्र तीक्ष्ण लियांगे भी होंगे, जो राम वंदना पर खास कथक की प्रस्तुति देंगे। इसमें एक साथ 56 चक्कर लगाया जाता है। तीक्ष्ण ने इससे पहले कलकत्ता यूनिवर्सिटी से कथक में स्नातक और नालंदा डांस रिसर्च सेंटर, मुंबई से कथक में पीजी किया है। तीक्ष्ण लविवि से एमए एजुकेशन की पढ़ाई कर रहे हैं और भारत से प्रभावित होकर यहीं बसना चाहते हैं। वह पूर्व में श्रीलंका में एक कॉलेज के प्राचार्य भी रहे हैं। इसी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए एजुकेशन में एमए कर रहे हैं।

तीकक्षण लियांगे।

HINDUSTAN PAGE 4 & 6

एलयू: भाऊराव देवरस की 105वीं जयंती मनाई

लखनऊ। भाऊराव देवरस की 105वीं जयंती पर भाऊराव देवरस शोधपीठ लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता एसके द्विवेदी, उपाध्यक्ष भारतीय शिक्षण मंडल रहे और अध्यक्षता भाउराव देवरस शोधपीठ विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय के निदेशक, प्रो. सोमेश शुक्ला ने की। इस मौके पर कई लोग मौजूद थे।

एलयू: छात्राओं ने बनाया पहला रॉकबैंड

लखनऊ | **वरिष्ठ संवाददाता**

लखनऊ विश्वविद्यालय की लगभग 10 छात्राओं ने मिलकर अपना पहला रॉकबैंड तैयार किया है। विश्वविद्यालय की सांस्कृतिकी के अंतर्गत रॉकबैंड पहले बनाया जा चुका है लेकिन उसमें लड़के-लड़कियां दोनों शामिल थे।

यह पहला मौका है जब केवल छात्राओं ने रॉकबैंड तैयार किया है और इसे नाम दिया गया है 'रूहानी'। लखनऊ विवि सांस्कृतिकी निदेशक प्रो. राकेश चन्द्रा ने बताया कि 25 नवम्बर को होने वाले एलयू के 101वें स्थापना दिवस समारोह में रूहानी को औपचारिक रूप से लॉन्च किया जाएगा। बैंड में 9-10 छात्राएं हैं, कुछ इंस्ट्रूमेंट में पारंगत हैं और कुछ गायक।

स्थापना दिवस समारोह का दूसरा आकर्षण श्रीलंका के छात्र की 'राम वंदना' प्रस्तुति होगी। बता दें कि दीक्षांत समारोह की तरह स्थापना दिवस भी सादगी से मनाया जाएगा जिसमें केवल विवि के छात्र-छात्राओं को प्रतिभा प्रदर्शित करने का मौका मिला। भव्य समारोह नहीं होगा।

आज जारी होगी मेडल सूची, दीक्षांत का सीधा प्रसारण

लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मुख्य मंच पर जो 15 मेडल दिए जाने हैं, उनमें से तीन (चांसलर्स मेडल, चक्रवर्ती मेडल और वीसी मेडल) की घोषणा गुरुवार को की जा चुकी है। अन्य 12 की सूची शनिवार को जारी हो जाएगी।180 मेडल विभागवार बाद में दिए जाएंगे। समारोह शांति से हो इसलिए इसमें बहुत ज्यादा लोगों को आमंत्रित नहीं किया जा रहा है। सीधा प्रसारण होगा।

JAGRAN CITY PAGE III

दीक्षा समारोह में नहीं दी जाएगी मानद उपाधि

लखनऊ विश्वविद्यालय में पंडाल की जगह मालवीय सभागार में होगा समारोह

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय अपना 64वां दीक्षा समारोह पिछले साल की तर्ज पर ही मनाएगा यानी इस बार भी किसी अतिथि को मानद उपाधि नहीं दी जाएगी। समारोह के लिए भी भव्य पंडाल बनाए जाने की जगह मालवीय सभागार का स्थान चुना गया है। दीक्षा समारोह को लाइव देखने के भी प्रबंध किए जा रहे हैं।

26 नवंबर को सुबह 11 बजे दीक्षा समारोह की शुरुआत होगी। मंच पर कुल 15 मेडल और डिग्रियां दी जाएंगी। बाकी मेडल विभाग स्तर से वितरित किए जाएंगे। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि समारोह पिछले साल की तरह मनाया जाएगा। समारोह को यू-ट्यूब http//www.youtube.com/c/UniversityofLucknow_official और फेसबुक https//www.facebook.com/dswlkouniv/ के जरिए लाइव भी देखा जा सकेगा। समारोह की तैयारी के लिए जो भी समिति गठित की गई हैं, उन्हें निर्देश दिए जा चुके हैं।

आज जारी हो सकती है मेडल सूची : विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह के लिए करीब 195 मेडल दिए जाने हैं, लेकिन मंच पर सिर्फ 15 मेडल का वितरण होगा। तीन मुख्य मेडल की घोषणा हो चुकी है। बाकी मेडल के लिए चयन प्रक्रिया जारी है। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि हमारी कोशिश है कि शनिवार को अन्य मेडल की सूची जारी कर दी जाए।

आज करा सकेंगे प्रमाण पत्रों का सत्यापन

लखनऊ विश्वविद्यालय ने परास्नातक पाठ्यक्रमों के साथ-साथ नई शिक्षा नीति के अंतर्गत बीएससी मैथ्स, बायो में सत्र 2021-22 में प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं के सत्यापन का आखिरी मौका 20 नवंबर तय किया है।

इसका नोटिफिकेशन विश्वविद्यालय के प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने वेबसाइट पर जारी किया है। बीएससी प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने वाले अभ्यर्थियों को एलाटमेंट पत्र, फीस रसीद व अपने मूल प्रमाण पत्रों के साथ ओल्ड कैंपस में डीन फैकल्टी आफ साइंस के कार्यालय में प्रमाण पत्रों की जांच 20 नवंबर तक अवश्य कराना होगा। वहीं, परास्नातक कोर्सों में जिन छात्र-छात्राओं का प्रवेश हो चुका है, उन्हें संबंधित विभाग में प्रमाण पत्रों की जांच करानी होगी।

नेशनल कालेज 2022 में कराएगा नैक मूल्यांकन

नेशनल पीजी कालेज में नैक (राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद) मूल्यांकन की तैयारी तेज हो गई है। वर्ष 2014 में कालेज को ए ग्रेड मिला था। इसकी वैद्यता पांच साल की थी जो कि 2019 में समाप्त हो गई। अब कालेज अगले वर्ष फिर से नैक मूल्यांकन की तैयारी में जुट गया है। इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल के निदेशक डा. राकेश जैन ने बताया कि नैक मूल्यांकन के लिए सेल्फ स्टडी रिपोर्ट तैयार की जा रही है, जिसे दिसंबर के पहले सप्ताह में नैक को भेजा जाएगा।

स्थापना दिवस पर होगी प्रथम गर्ल्स राक बैंड की लांचिंग

लवि में छात्रों की तर्ज पर अब छात्राएं भी राक बैंड पर प्रस्तुति देती नजर आएंगी। इसके लिए विश्वविद्यालय 25 नवंबर को होने वाले 101वें स्थापना दिवस पर प्रथम आल गर्ल्स राक बैंड 'रूहानी' को लांच करेगा। इसमें बीए, बीकाम और बीएससी की करीब 10 छात्राएं शामिल हैं।

विश्वविद्यालय के सांस्कृतिकी के निदेशक प्रो. राकेश चंद्रा ने बताया कि अभी तक राक बैंड में छात्र शामिल थे। अब छात्राओं ने अलग से 'रूहानी' बैंड तैयार किया है। स्थापना दिवस पर इसे लांच किया जाएगा। जेंडर सेंसिटाइजेशन सेल की कोआर्डिनेटर डा. रोली मिश्रा ने बताया कि विश्वविद्यालय में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए गर्ल्स राक बैंड की शुरुआत होगी। इसमें गिटार, तबला, हर्मोनियम, ड्रम से लेकर मैनडोलिन पर छात्राएं अपनी प्रस्तुति देंगी। छात्राओं ने करीब पांच गाने भी तैयार कर लिए हैं। अभी तक छात्रों के राक बैंड का नाम 'रूबरू' है। अब छात्राओं के बैंड का नाम 'रूहानी' होगा।

श्री लंका का छात्र प्रस्तुत करेगा राम वंदना : लखनऊ विश्वविद्यालय में एजुकेशन से एमए कर रहा श्रीलंका का तीक्षणा नाम का छात्र स्थापना दिवस पर राम वंदना प्रस्तुत करेगा वहीं, अन्य कार्यक्रम में एमबीए और आइएमएस के छात्र डांस करेंगे। प्रो. राकेश चंद्रा ने बताया कि 26 नवंबर को दीक्षा समारोह भी है, इसलिए कोशिश है कि 25 नवंबर को दोपहर में कार्यक्रम आयोजित हो।

प्रस्तुति देने के लिए पूर्वाभ्यास करतीं आल गर्ल्स राक बैंड 'रूहानी' की छात्राएं ● सौ. : लवि

शोध मेधा छात्रवृत्ति में आए 49 आवेदन

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से पहली बार पीएचडी छात्राओं को लिए शुरू हुई शोध मेधा छात्रवृत्ति में एक सप्ताह में 49 आवेदन आ चुके हैं। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि 30 नवंबर तक आवेदन किए जा सकेंगे। चयनित छात्राओं को प्रति माह पांच हजार रुपये की छात्रवृत्ति छात्र कल्याण कोष से दी जाएगी। इसमें नेट और गेट (ग्रेजुएट एप्टीट्यूट टेस्ट इन इंजीनियरिंग) उत्तीर्ण होने के साथ-साथ लखनऊ विश्वविद्यालय से पीएचडी के लिए पंजीकृत छात्राएं ही आवेदन कर सकती हैं। (जासं)

लवि : मनाई गई भाऊराव देवरस की 105वीं जयंती

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में भाऊराव देवरस की 105 वी जयंती मनाई गई। शुक्रवार को विश्वविद्यालय की भाऊराव देवरस शोध पीठ में कार्यक्रम के मुख्य वक्ता और भारतीय शिक्षण मंडल के उपाध्यक्ष एसके द्विवेदी ने अपने विचार रखे। पीठ के निदेशक सोमेश शुक्ला ने अपने कहा कि देवरस कहा करते थे कि शिक्षा का आधार सामान्य जन ही है। इसलिए हमें उनका ध्यान रखना होगा। (जासं)

PIONEER PAGE 3

पहले सेमेस्टर की परीक्षा से पहले चारों जनपदों में मानक खंगालेगा एलयू

- मानक के अनुरूप मिलने पर ही कॉलेजों को बनाया जाएगा सेंटर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सीमा विस्तार के बाद चार जनपदों रायबरेलीए लखीमपुरए सीतापुर और हरदोई में पहले सेमेस्टर की परीक्षा कराने से पूर्व लखनऊ विश्वविद्यालय कालेजों में मानकों की जांच करेगा। जांच में मानक पर खरे उतरने वाले कालेजों को ही विवि परीक्षा केंद्र बनाएगा। इसके लिए विवि स्तर पर हर जिले के लिए कमेटी का गठन कर दिया गया है।

इस बार विवि के लिए पहले सेमेस्टर एग्जाम कराना काफी चुनौती भरा होने वाला है। क्योंकि पहली बार एलयू करीब पांच लाख स्टूडेंट्स का एग्जाम कराएंगा। इतनी बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स का एग्जाम आयोजित कराने के लिए तीन महीने पहले से ही तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। अभी तक एलयू करीब एक लाख स्टूडेंट्स का एग्जाम आयोजित कराता था। पर प्रदेश सरकार की ओर से चार नए जिलें जोड़ देने के बाद स्टूडेंट्स की संख्या में चार लाख की बढ़ोत्तरी हो गई हैं। विवि ने फरवरी में आयोजित होने वाले सेमेस्टर एग्जाम के लिए चारों नए जुड़े कॉलेजों के लिए एक.एक कमेटी गठित किया है। हर कमेटी में एलयू ने पांच लोगों को रखा हैं। यह कमेटियां डीन कॉलेज डेवलपमेंट कमेटी की ओर से किया गया। यह कमेटियां प्रदेश सरकार की ओर से एग्जाम सेंटर बनाने के लिए जो भी मानक तय किए गए है। उनकी जांच करने के बाद इसकी रिपोर्ट एलयू प्रशासन को देगा। इसके बाद इन जिलों में फरवरी में एग्जाम के लिए सेंटर बनाए जाएंगे। इसके अलावा एलयू इन नए जिलों में सेंटर बनाने के लिए पहले से कानपुर यूनिवर्सिटी की ओर से सेंटर बनाए जा रहे कॉलेजों को भी प्राथमिकता देगा।

जून में एग्जाम कराना सबसे बड़ी चुनौती: लखनऊ यूनिवर्सिटी की सबसे बड़ी परीक्षा अगले साल जून.जुलाई में होने वाले सेमेस्टर एग्जाम में बड़ी चुनौतियां का सामना करना पड़ेगा। जून.जुलाई में होने वाले सेमेस्टर एग्जाम में एलयू में नए जुड़े जिलों और पुराने कॉलेजों के स्टूडेंट्स एक साथ एग्जाम देंगे। ऐसे में एलयू को करीब 500 के करीब सेंटर्स पांचों जिलों में बनाए जाने हैं।

पेपर पहुंचाने से लेकर वापसी तक सब की समीक्षा होगी: ऐसे में एलयू प्रशासन इतने बड़े पैमाने पर एग्जाम कराने के लिए अपनी तैयारियों को पुख्ता करना चाह रहा है। इन चार जिलों में सेंटर्स बनाने के लिए मानकों की जांच करने के साथ ही यहां पर क्वेश्चन पेपर और आंसरशीट पहुंचाने के साथ ही उनको वापस मूल्यांकन केंद्र तक पहुंचाना में कितना समय और साधन लगेगा।

स्थापना दिवस पर लांच होगा एलयू का पहला आल गर्ल्स रॉक बैंड रूहानी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

इस बार 25 नवंबर को स्थापना दिवस के मौके पर लखनऊ विश्वविद्यालय का पहला आल गर्ल्स रॉक बैंड रूहानी लांच किया जाएगा। शुक्रवार को यह जानकारी विवि के प्रवक्ता प्रो दुर्गेश श्रीवास्तव ने दी है। लखनऊ विश्विद्यालय के जेंडर सेन्सटाइजेशन (जेन्सेन) सेल ने अदम्य नाट्य संस्था जो संस्कृतिकी लखनऊ विश्विद्यालय से जुड़ी हुई हैए उसके साथ मिल कर विश्विद्यालय परिसर को लैंगिक समानता और लैंगिक तटस्था के प्रति जागरूक करने हेतु लाल बारादरी के पास नुक्कड़ और गुफ्तगू के माध्यम से एक परिवर्तन की बयार लाने का एक सार्थक प्रयास किया। जिसमें काफी संख्या में छात्र छात्राओ ने भागीदारी की। शादी, लिंग भेद, माहवारी, महिलायों से जुड़े कानून जैसे मुद्दों अपनी बात रखी। इस कार्यक्रम की एक खास बात ये भी रही कि विश्विद्यालय का प्रथम आल गर्ल्स रॉक बैंड रूहानी ने भी अपनी पेशकश दी। इसमें जेन्सेन की संयोजिका डॉ रोली मिश्र, उसके सदस्य डॉ प्रशांत शक्ल, डॉ अनुपमा सिंह एवं डॉ चंद्र सेन उपस्थित रहे।

AMRIT VICHAR PAGE 5

चौथी कटऑफ वाले आज जमा करें फीस

लखनऊ विश्वविद्यालय की सत्र 2021-22 की परास्नातक 2021 प्रवेश के अंतर्गत विषयों की कटऑफ जारी हो चुकी है। छात्र अपनी फीस 20 नवंबर तक जमा कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉक्टर दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि मनुष्य जाति विज्ञान, मास्टर पब्लिक हेल्थ, एम .कॉम . वाणिज्य (एसएफ), एमकॉम एप्लाइड इकोनॉमिक्स (एसएफ) मास्टर पब्लिक हेल्थ (सामुदायिक चिकित्सा) सूक्ष्म जीव विज्ञान, पादप विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी अर्थशास्त्र (एसएफ), फोरेंसिक साइंस समाजशास्त्र, अंग्रेज़ी, भूगोल, लोक प्रशासन विषय के छात्र फीस जमा कर सकते हैं। छात्र शनिवार को अपनी फीस जमा कर दें नहीं तो उन्हें अब मौका नहीं दिया जाएगा। यह उनके लिए अंतिम मौका है।

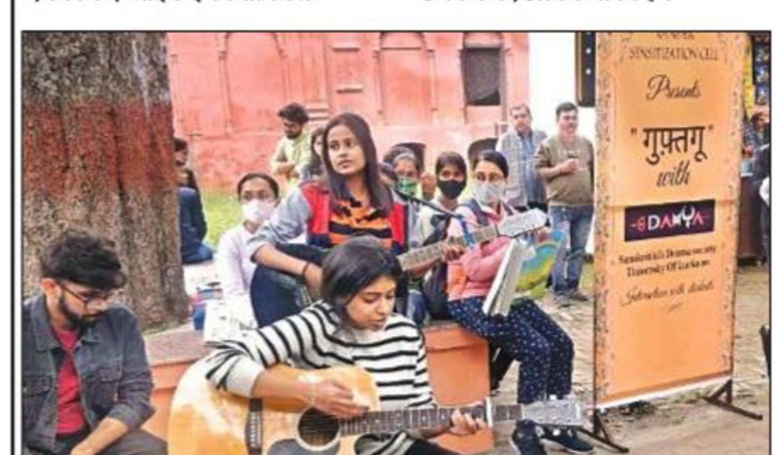

विश्वविद्यालय कैंपस में रॉकबैंड बजातीं छात्राएं। फोटो : अमृत विचार

श्रीलंका के छात्र सुनाएंगे 'राम वंदना'

विवि के 10 छात्राओं ने मिलकर अपना पहला रॉकबैंड तैयार किया है। सांस्कृतिकी के अंतर्गत यहां रॉकबैंड पहले भी बनाया जा चुका है, लेकिन इसमें लड़के-लड़कियां दोनों शामिल थे। यह पहला मौका है जब केवल छात्राओं ने रॉकबैंड तैयार किया है और इसे नाम दिया गया है 'रूहानी'। सांस्कृतिकी निदेशक प्रो . राकेश चन्द्रा ने बताया कि 25 नवम्बर को होने वाले विश्वविद्यालय के 101वें स्थापना दिवस समारोह में रूहानी को औपचारिक रूप से लॉन्च किया जाएगा। बैंड में 9-10 छात्राएं हैं, इनमें से कुछ इंस्ट्रूमेंट में पारंगत हैं और कुछ गायक में। इसके अलावा स्थापना दिवस समारोह का दूसरा आकर्षण श्रीलंका के छात्र की 'राम वंदना' प्रस्तुति होगी।

याद किए गये भाऊराव देवरस, मनायी 105वीं जयंती

कर्म योगी भाऊराव देवरस की 105 वी जन्म जयंती मनायी गयी। इस मौके पर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एसके द्विवेदी, उपाध्यक्ष भारतीय शिक्षण मंडल एवं अध्यक्षता भाउराव देवरस शोध पीठ विभाग के निदेशक, प्रोफेसर सोमेश शुक्ला ने किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता द्विवेदी ने देवरस के संस्मरण का विस्तृत उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा कि हेडगेवार जी ने उन्हें संघ के प्रचार प्रसार के लिए उत्तर प्रदेश भेजा लेकिन समाज में एक आदर्श स्थापित करने के लिए उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय से बीकॉम तथा एलएलबी में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होते हुए छात्रसंघ के अध्यक्ष पद को सुशोभित किया।

SWATANTRA BHARAT PAGE 4

एलयू ने जारी की कॉन्वोकेशन के मेडल धारकों की सूची

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में 26 नवम्बर को होने वाले 64वें दीक्षांत समारोह में लॉ ग्रेजुएट स्वाति सिंह को चांसलर्स गोल्ड मेडल के लिए चुना गया है। इसके साथ ही लॉ डिपार्टमेंट के अन्य स्टूडेंट देवधर दुबे को चक्रवर्ती गोल्ड मेडल और हृष्ट सीनियर अंडर अफसर व बीए - पॉलिटिकल साइंस के स्टूडेंट मितेन्द्र श्रीवास्तव को वाइस चांसलर्स गोल्ड मेडल देने का निर्णय लिया गया है।

गुरुवार को रु व एफिलिएटेड कॉलेजों के चुने हुए स्टूडेंट्स को फाइनल स्क्रीनिंग के लिए कमेटी के सामने बुलाया गया था। रु के एग्जामिनेशन कंट्रोलर ने बताया कि तीनों ही स्टूडेंट्स अपने कौशल से व सवालों के जवाब से सेलेक्शन कमेटी को मंत्रमुग्ध करके मेडल पर बेजोड़ दावा ठोकने में कामयाब रहे बाद में कार्य परिषद की बैठक आयोजित कर तीनों मेडल पर अंतिम निर्णय लिया गया।

कोविड के कारण सीमित रहेगा कॉन्वोकेशन सेरेमनी का आयोजन विश्वविद्यालय प्रशासन के मुताबिक इस बार भी दीक्षांत समारोह सीमित व साधारण ही रखा जाएगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल करेंगी और डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा भी कार्यक्रम में शामिल होंगी। इस बार कोई मानद उपाधि नहीं दी जाएगी, वही मंच से केवल 15 मेडल ही दिए जाएंगे।

चांसलर मेडल के लिए स्वाति सिंह का हुआ चयन

देवधर दुबे को चक्रवर्ती गोल्ड मेडल व मितेन्द्र श्रीवास्तव को मिलेगा वाइस चांसलर्स गोल्ड मेडल

यूनिवर्सिटी का सबसे प्रभावी मेडल, चांसलर्स गोल्ड मेडल के लिए चुनी गई स्वाति के पिता सुधीर सिंह इंडियन एयरफोर्स से रिटायर्ड हैं और मां सरिता सिंह बिजनेस वुमेन हैं।

लखनऊ के नेहरू एन्क्लेव में रहने वाली स्वाति ने सीएमएस गोमतीनगर से 12वीं की कक्षा 83 फीसदी मार्क्स से पास की है। वह लंदन से एलएलएम करना चाहती है और वकालत के अलावा समाजसेवा से भी खुद को जोड़ती है।

गोरखपुर के रहने वाले देवधर दुबे के पिता देवेन्द्र धर दुबे, गोरखपुर दीवानी न्यायालय में वरिष्ठ अधिवक्ता हैं और मां प्रमिला दुबे गृहिणी। देवधर जानकीपुरम में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। एलएलबी 8वें सेमेस्टर तक 78 फीसदी अंक हासिल करने वाले देवधर ने एनएसएस में दो साल के कैम्प के दौरान मलिन बस्तियों में जाकर बच्चों को पढ़ाया और वहां रहने वाले परिवारों को कानून की व उनके अधिकारों की जानकारी दी। यूपीएससी बीट करके देवधर आगे अफसर बनना चाहते हैं।लखनऊ विश्वविद्यालय में बीए के 5वें सेमेस्टर के स्टूडेंट मितेन्द्र श्रीवास्तव मूलरूप से कानपुर के बिल्हौर के रहने वाले हैं। आर्मी में नायब सूबेदार के पद से रिटायर होने के बाद उनके पिता देशबंधु श्रीवास्तव परिवार को लेकर लखनऊ में ही रहने लगे। मां संगीता गृहिणी हैं। वह क्रके एन्थ्रोपोलॉजी व पॉलिटिकल साइंस विषयों से पढ़ाई कर रहे हैं। मितेन्द्र कहते है कि उन्होंने एनसीसी के एक भारत श्रेष्ठ भारत कैम्प में उत्तर प्रदेश का